भारत की जान हिंदी

अंग्रेजी' दो देशों को जोड़ने वाली तो
'हिंदी' दो दिलो को जोड़ने वाली है ये.....
आपसी द्वेष को भूलकर समझे तो–2
दोनों ही एक घर में बोली जाने वाली है ये....

'अंग्रेजी' डॉक्टर सच्चर कर जान बचाती है तो
'हिंदी' रवि सा कविता कर आशा के द्वीप जलती है ये....
आपसी द्वेष भूलकर समझे तो–2
दोनों ही मानव निर्माण करने वाली है ये.....

'अंग्रेजी' तकनीकी सिखाती है तो
'हिंदी' संस्कार सिखाती है ये....
आपसी द्वेष को बोलकर समझे तो–2
दोनों ही मानव जीवन को सहज बनती हैं ये....

'अंग्रेजी' की चाहत रखने वाले हैं तो
'हिंदी' के दीवाने भी कुछ काम नहीं है ये.....
आपसी द्वेष भूल कर समझे तो –2
दोनों ही चाहत के फसाने है ये.....

'अंग्रेजी' साइंटिस्ट बनती है तो
'हिंदी' शास्त्र ज्ञान बतलाती है ये......
आपसी द्वेष भूल कर समझे तो–2
दोनों ही ज्ञान की गंगा बहाती हैं ये....

संपर्क सूत्र

सुश्री पुनम
असिस्टेंट प्रोफेसर
चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
मोबाइल :– 9306308378
Email id: poonam.bidlhan1@gmail.com

साहित्याकाश